Science Council; (8) Commonwealth Fund for Technical Cooperation; (9)' Commonwealth War Graves Commission; (10) Commonwealth Advisory Aeronautical Research Council; (11) Commonwealth Forestry Institute, Oxford, and (12) Special Commonwealth African Assistance Programme (SCAAP).

We are not aware of financial contributions to any other Commonwealth agencies or programmes.

गुजरात में राष्ट्रीय कपड़ा निगम का कार्यकरण

2. श्री मीर्जा इर्शादबेग : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय कपड़ा निगम (गुजरात) की कार्यक्षमता को सुधारने के लिये क्या प्रशासनिक कदम उठाये गये हैं ;

(ख) राष्ट्रीय कपड़ा निगम (गुजरात) के वर्तमान अध्यक्ष को कब नियुक्त किया गया था तथा भूतपूर्व अध्यक्ष को हटाये जाने के क्या कारण हैं ; और

(ग) वर्तमान अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय कपड़ा निगम के कार्यकरण को सुधारने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं तथा उनके क्या परिणाम निकले हैं ?

वस्त्र मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) एन टी सी (गुजरात) द्वारा अर्थक्षमता में सुधार लाने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों में से कुछ निम्नोक्त हैं :–

(1) हानियों को कम करने के लिए लागत में बचत करने तथा लागत कम करने पर बल दिया गया है ।

(2) श्रम के सुव्यवस्थीकरण की प्रक्रिया में तेजी लाना ।

(3) लाभप्रद केन्द्रों के बतौर मिलों को अभिज्ञात किया गया है और कार्यनिष्पादन तथा लक्ष्य-प्राप्ति के लिए महाप्रबंधकों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं ।

(4) अलाभकारी और अनुत्पादक क्रियाकलापों को समाप्त करना ।

(ख) एन टी सी (गुजरात) के मौजूदा अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को 18–11–85 को नियुक्त किया गया था । एन टी सी (गुजरात) के भूतपूर्व अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक को उनके कार्यकाल के पूरा होने के बाद कार्यमुक्त कर दिया गया था ।

(ग) एन टी सी (गुजरात) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने सूचित किया है कि उसके सहायक निगम ने महाप्रबंधकों को पहले से ही शक्तियां प्रत्यायोजित की हैं तथा एन टी सी (गुजरात) के अधीन मिलों के कार्य निष्पादन में सुधार लाने के लिये अनेक कदम भी उठाये हैं । तथापि, पावर की उपलब्धता में गिरावट आने, मन्द बाजार परिस्थितियों और एक मिल में आग लग जाने के कारण इन कदमों से वांछित परिणाम नहीं निकले हैं । एन टी सी (गुजरात) के अधीन मिलों ने आगामी महीनों में ब्लेंडिड फेब्रिक्स के उत्पादन की मात्रा में वृद्धि करने का निर्णय लिया है जिसके फलस्वरूप प्रति मीटर औसत बिक्री वसूली में उल्लेखनीय वृद्धि होने की आशा है जिससे सहायक निगम की हानियों को कम करने में मदद मिलेगी ।

राष्ट्रीय कपड़ा निगम, गुजरात में मान्यता प्राप्त यूनियनें

3. श्री मीर्जा इर्शादबेग : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय कपड़ा निगम, गुजरात में मजदूर, टेक्नीशियन और आफिसर यूनियनों में से कौन-कौन सी यूनियनें मान्यता प्राप्त हैं तथा यूनियनों के सदस्यों की संख्या तथा मजदूरों, टेक्नीशियनों और अधिकारियों की कुल संख्या कितनी-कितनी है; और

(ख) क्या राष्ट्रीय वस्त्र निगम, गुजरात के बोर्ड में टेक्नीशियनों को प्रतिनिधित्व दिये जाने के लिये कोई कार्यवाही किये जाने की संभावना है और यदि हाँ, तो कब तक ?

वस्त्र मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार): (क) अधिनियम के अधीन सम्मिलित सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिये वस्त्र श्रमिक संघ ही औद्योगिक संबंध अधिनियम, बम्बई के अधीन एकमात्र मान्यता प्राप्त और प्रतिनिधि यूनियन है। ऐसे कर्मचारियों की सदस्यता लगभग 80 प्रतिशत होने का दावा किया जाता है। राष्ट्रीय वस्त्र निगम (गुजरात) में सभी कोटियों में कर्मचारियों की संख्या 20,196 है।

(ख) इस समय, बोर्ड में तकनीशियनों को अलग से प्रतिनिधित्व देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। राष्ट्रीय वस्त्र निगम (गुजरात) के बोर्ड में वस्त्र श्रमिक संघ का एक प्रतिनिधि पहले से ही है।

राष्ट्रीय कपड़ा निगम गुजरात की मिलें

4. श्री मोर्जा इर्शादबेग : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात की राष्ट्रीय कपड़ा निगम की मिलों में कुल कितने कपड़े का उत्पादन किया गया तथा इन मिलों को प्रति वर्ष कुल कितना-कितना घाटा हुआ ; उसके क्या कारण हैं तथा उसे रोकने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं ;

(ख) इन मिलों का आधुनिकीकरण करने के लिये क्या योजना बनाई गई है; और

(ग) इन मिलों की उत्पादन क्षमता कितनी-कितनी है तथा चालू वर्ष में उन्हें विदेशों से कितने आर्डर प्राप्त हुए हैं ?

वस्त्र मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) एन०टी०सी० (गुजरात) के अधीन मिलों द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान कपड़ा उत्पादन और उन्हें हुई हानियां निम्नोक्त प्रकार हैं :–

वर्ष	कपड़ा-उत्पादन (मिलियन मीटरों में)	हानियां (लाख रु०)
1983–84	165.50	1282.43
1984–85	138.55	2155.39
1985–86	139.32	1751.32

निरन्तर हुई हानियों के कारण निम्नोक्त प्रकार से हैं :—

(1) पुरानी और अप्रचलित मशीनरी;

(2) श्रमिक बल की अधिकता ;

(3) समय-समय पर महंगाई भत्ता और अंतरिम राहत में वृद्धि के फलस्वरूप मजदूरी में वृद्धि ;

(4) पावर में भारी कटौती और लोड शैडिंग ;

(5) पावर, कोयला, रंजक तथा रसायन भण्डारों तथा अतिरिक्त पुर्जों आदि की लागत में वृद्धि

(6) रूई की कीमतों का प्रभाव।

एन० टी० सी० (गुजरात) के अधीन कार्य कर रही मिलों के निष्पादन में सुधार लाने के लिए उठाए गए कुछ कदम निम्नोक्त प्रकार हैं :

(1) परिणामोन्मुख लाभ हेतु अपनाए गए चुनिन्दा आधुनिकीकरण कार्यक्रम नीतियां ;

(2) मिलों के प्रबन्ध में कामगार सहयागिता योजना कार्यान्वित करने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं ;